

Computation of Median from Unground Data

Median निकालने के लिए सबसे पहले प्रदत्तमानों को आरोही अथवा अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर लिया जाता है।

अब मध्यांक वर्ग ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित पदों का उपयोग किया जाता है -

(i) आवृत्ति वितरण के सभी वर्गों की संचयी आवृत्ति ज्ञात किया जाता है।

(ii) मध्य-पद निम्नलिखित सूत्र की सहायता से निकाला जा सकता है.

(मध्य पद) $m = \left(\frac{n}{2}\right)$ वाँ पद

अखण्डित आवृत्ति वितरण में मध्यांक निकालने के लिए, आवृत्तियों के योग (N) को 2 से भाग देते हैं, जबकि व्यवस्थित प्रदत्तों में मध्यांक निकालने के लिए मध्यों की सं० में 1 जोड़कर जो योग प्राप्त होता है उसे दो भागों में कर दिया जाता है, व्यवस्थित प्रदत्तों में इस बिंदु का पता लगाया जाता है जिसमें एक और आधे तथा दूसरी ओर शेष आधे मधु केंद्रित होते हैं अर्थात् व्यवस्थित प्रदत्तों में मध्यांक, मध्यक की तरह एक प्रदत्त न होकर, एक बिंदु होता है।

(iii) मध्य-पद का पता चलने के बाद उसे संचयी आवृत्तियों में देखा जाता है जो संचयी आवृत्तियाँ मध्य-पद से कम होती हैं उन्हें छोड़ देते हैं तथा इस मध्य-पद के लगान संचयी आवृत्ति, या इससे कुछ ही अधिक संचयी आवृत्ति वाले वर्ग में यह मध्य-पद केंद्रित होते हैं, यही वर्ग जिसमें मध्य-पद केंद्रित होता है, मध्यांक वर्ग कहलाता है।

मध्यम - मद् शीत करने के बाद मध्यांक की गणना की जाती है। इसके लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है -

$$\text{Median} = L + \frac{\frac{N}{2} - c}{f} \times h$$

जबकि,

$N =$

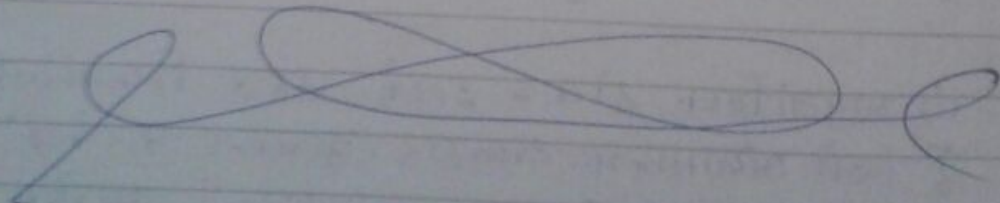
मध्यांक

$L =$ उस वर्ग की निम्न सीमा जिसमें मध्यांक होता है

$f =$ मध्यांक वर्ग की आवृत्ति जिसमें मध्यांक होता है

$c =$ मध्यांक वर्ग से ठीक पहले वाले वर्गों की संयुक्त आवृत्ति जिसमें मध्यांक होता है

$h =$ वर्गान्तर का आकार



Handwritten marks and scribbles at the bottom left corner of the page.